यूपी सरकार ने स्कूलों और आंगनवाड़ी के लिये धनराशि आवंटित की

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राज्य के 100 अविकसित शहरों में विकास को गति देने के लिये, उत्तर प्रदेश सरकार ने आकांक्षी शहर कार्यक्रम शुरू किया है।

मुख्य बिंदु:

- इस प्रयास के हिस्से के रूप में, प्रारंभिक केंद्र इन शहरों में स्कूलों और **आंगनवाड़ी केंद्रों** को व्यापक रूप से बदलने पर होगा।
- मुख्यमंत्री के निर्देश के क्रम में **आंगनबाडी केंद्रों** के लिये अलग से योजना तैयार की गई है।
- मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार, राज्य के **100 महत्त्वाकांक्षी शहरी क्षेत्रों में कुल 913 स्कूलों** का उन्नयन किया जाएगा, साथ ही 25 अतिरिक्त नए स्कूल स्थापित किये जाएंगे।
  - राज्य के 100 अविकसित शहरी क्षेत्रों में, राज्य सरकार वर्तमान में किराए या वैकल्पिक सरकारी संरचनाओं में स्थित **348 आंगनवाड़ी केंद्रों** के लिये नए भवन बनाने की योजना बना रही है।
- इसके अलावा, इन आकांक्षी शहरी क्षेत्रों में वर्तमान में किराए या वैकल्पिक सरकारी सुविधाओं में संचालित 348 आंगनवाड़ी केंद्रों के लिये नए भवनों का निर्माण किया जाएगा।
- राज्य सरकार ने इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिये **143 करोड़ रुपए** से अधिक का आवंटन किया है।
- कुल 35.5 करोड़ रुपए की लागत से 25 नए **मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय** भी स्थापित किये जाएंगे, प्रत्येक स्कूल पर **1.42 करोड़ रुपए** की लागत आएगी। इस प्रकार, राज्य सरकार उन्नयन और नए स्कूल खोलने के लिये **101.83 करोड़ रुपए** खर्च करेगी।

नोट:

उत्तर प्रदेश सरकार ने यूपी के 38 ज़िलों के 100 नगर निकायों को आकांक्षी शहरी निकाय श्रेणी में रखा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/up-government-allocated-funds-for-schools-and-anganwadi